श्री राम विलास पासवान: महोदय, अभी तो मेरे पास वह आंकड़े नहीं है। लेकिन माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है, उस बात का भी हम पता लगाएंगे। लेकिन महोदय, इस में एक सबसे बड़ी बात यह है कि यदि हम को पता चल जाय कि बिना लायसेंस कौन यह काम कर रहा है तो उस के बारे में मैं ने बताया कि भारी संख्या में लोग जेल भेजे जा रहे है? तो लोग पकड़े भी जा रहे हैं लेकिन उस में एक पहलू यह भी है कि रेलवे उस में थोड़ा सा "ह्यूमेनिटेरियन पॉइंट आॅफ व्यू" भी रखती है। हालांकि इस संबंध में एक कमेटी भी बनायी गयी थी, लेकिन कमेटी ने कोई "हार्ड एंड फास्ट" यह नहीं बताया कि जो भी अन-अथॉराइज्ड पकड़ा जाए, उन सब को जेल भेजते जाओ और सब के ऊपर कार्यवाही करते जाओ। महोदय, यह एक ऐसा मामला है जिस में हम को दोनों पाॅइंट्स देखने पड़ते हैं। लेकिन जो बात आप ने कही कि ऐसे तत्व जो जानबूझकर गलत काम में लगे हुए हैं और जो बिना लायसेंस वाले हैं, उन के खिलाफ हम कार्यवाही कर रहे हैं। इन दोनों में हम अंतर करेंगे। फिर आप ने कहा कि इस में कर्मचारी की सांठ-गांठ का मामला है तो उस कर्मचारी की भी जांच करवाएंगे। महोदय, अभी हमारे साथी बता रहे हैं कि इस में पनिशमेंट ऐसा है कि पहले 6 महीने की जेल का था और ...**(व्यवधान)**...

श्री गोविन्दराम मिरी: महोदय, मैं ने यह पूछा है कि जो लोग जेल भेजे गए, वह रिमांड की स्टेज पर जेल भेजे गए यानी कई लोग फाइन नहीं जुटा सकते, इसलिए जेल भेजे जाते हैं या सजा होने के बाद भेजे गए हैं?

श्री राम विलास पासवान: महोदय, वह तो डिटेल का मामला है। आप चाहेंगे तो हम भेज देंगे।

*292 [The Questioner (Shri Ved Prash P. Goel) was absent. For answer vide column....infra]

*293 [The Questioner (Shri Anand Ray Dev Shanker Dave) was absent. For answer vide column...infra].

Derailments and resultant losses

*294. SHRI S.M. KRISHNA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that railway property worth Rs. 25 crore was damaged due to 195 derailments that took place between May 1996 and January, 1997.

(b) the details of derailments that took place in 1993-94, 1994-95 and 1995-96 and damage resulted in rupees; and

(c) the preventive steps taken to control such damage?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) to (c) A stastement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The number of derailments during the last three years was 401,388 and 296 respectively and the cost of damage to railway property was Rs.44.72 crores. Rs. 38.18 crores and Rs. 46.15 crores respectively.

(c) Some of the steps taken to bring down the incidence of derailments on Indian Railway are as under:—

1. Track structure is being strengthened by using 60 Kg rails on concrete sleepers. All rails are being converted into long welded rail panels by welding and removing fish-plated joints. Fan-shaped turn-out and switches are being introduced.

2. Track is being maintained progressively by tie tamping and ballast cleaning machines. Track is also now being laid with track renewal trains.

3. For monitoring of track geometry and running characteristics of track, sophisticated track recording cars, oscillograph cars and portable accelerometers are being progressively used.

4. For detection of hidden flaws in the rails not visible to the naked eye, ultrasonic flaw detectors are being used. Inspections of points and crossing have been intensified.

5. The condition of rolling stock has been improved. Conventional 4 wheeled wagons with brass bearing and vacuum brake system are being replaced with better bogie. roller-bearing air-braked stock.

6. To prevent cases of cold breakage of axles. Routine Overhaul Depots have been equipped with ultrasonic testing equipment for timely detection of cases of flaws developing in the axles.

7. Counselling and training of train passing staff and gatemen for detection of hot boxes has been intensified.

8. Examinination pattern of goods and coaching trains has been rationalised.

9. Workshops have been advised to acquire ISO 9002 certification for roller bearing. laminated bearing springs and slack adjustor barrel repair sections having direct bearing on safety.

10. Capacity for periodical overhaul of coaches has been augmented by conversion of erstwhile workshops for metre gauge coaches at Ajmer, Dibrugarh, Hubli and Jodhpur into broad gauge.

11. Punitive action is taken against staff responsible for causing derailments.

SHRI S.M. KRISHNA: Sir, the damage to the railway property during the last three years was to the extent of Rs. 44 crores, Rs. 38 crores and Rs. 46 crores respectively. Apart from the damage to the railway property, I am sure, there was loss of human lives also. I would like the hon. Minister to let this House know the number of people, who died during the last three years as a result of derailments.

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): सभापति जी, मेरे पास काफी दिनों से आंकड़ें हैं, लेकिन मैं पिछले तीन-चार वर्षों यानि 1993-94 से आंकड़े दे रहा हूं। जो दुर्घटनाएं हुई हैं अलग अलग, उनमें वर्ष 1993-94 में जो टक्कर से दुर्घटना हुई 50, वर्ष 1994-95 में 35, वर्ष 1995-96 में 29 और वर्ष 1996-97 के फरवरी तक 24 हैं। जो पटरी से उतरने की घटना है, वह है वर्ष 1993-94 में 401, 1994-95 में 388, 1995-96 में 296 और 1996-97 के फरवरी तक 251 और जो क्रोसिंग के ऊपर दुर्घटनाएं हुईं, वह वर्ष 1993-94 में 66, 1994-95 में 73, 1995-96 में 68 1996-97 के फरवरी तक 60 हुई है। उसके बाद जो गाड़ी में आग लगने की घटनाएं हैं, वह वर्ष 1993-94 में 3, 1994-95 और 1995-96 में 5, 1996-97 के फरवरी तक 3 घटनाएं हुई है।

SHRI S.M. KRISHNA: Sir, in advanced countries that latest technology is being used to prevent such derailments. I would like to know whether the Railway has considered the possibility and feasibility of incroporating the latest technology into the Indian Railways so that such derailments could be minimised and ultimately avoided, thereby saving precious human lives as well as the property belonging to the nation.

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, जहां तक सेफ्टी का सवाल है, सेफ्टी के मामले में हम कोई कम्परोमाइज नहीं करते हैं और जो भी लेटेस्ट टैक्नोलोजी जहां कहीं से हमको उपलब्ध होती है उस लेटेस्ट टैक्नोलोजी को लेने का काम हम करते हैं।

SHRI SANATAN BISI: Sir, in Orissa, during last January-February, within a period of thirtyfive days fifteen derailments took place. I would like to know the number of persons who lost their life as a result of these derailments. I would also like to know whether the Government is taking some urgent action for track renewals in this area.

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, अलग अलग स्टेट का हम बाद में भेज देंगे, लेकिन जो खराबी के कारण होते हैं, जो एक्सीडेंट होते हैं उसके कई एक कारण होते हैं। इनमें कुछेक कारण तो ऐसे होते हैं, तो हमारे बलबूते के बाहर होते हैं, जिसमें जैसे कोई बम ब्लास्ट हो गया या उग्रवादी कार्यवाही हो गई और कुछेक कारण जो है वो हमारे कंट्रोल में रहते हैं। हमने आंकड़ा लगाया है कि जो अलग अलग डिपार्टमेंट हैं, उन विभागों में कितनी जो है खराबी के कारण या उनके कारण घटनाएं घटी हैं। इसमें जो हमारा इंजीनियरिंग विभाग है, उससे संबंधित जो सारे मामले हैं टोटल एक्सीडेंट के, वह करीब 25 परसैंट के लगभग है उसी तरह से जो हमारा मैकेनिकल डिपार्टमेंट है, उसके कारण से करीब 28 परसैंट आता है जो इलेक्ट्रॉनिक विभाग है, इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट में 5 परसैंट उसका होता है और जो ऑपरेटिंग है, उसका 2 परसैंट है, जो सिग्नलिंग डिपार्टमेंट है, उसका परसैंटेज एक परसैंट एक परसैंट से भी कम है। लेकिन जो डिरेलमेंट की घटनाएं होती है उनके कई कारण हैं एक सबसे बड़ा कारण यह है कि

हमारे पास कोई डेलिकेटिड लाइन नहीं है, जो लाइन हमारे पास है, उसमें जहां बड़े-बड़े स्टेशन आते है, वहां तो हम उसे डबल कर देते हैं, ट्रिपल कर देते हैं, लेकिन जो दूर-दराज के इलाके हैं, वहां हमारे पास एक ही लाइन है। इसके कारण क्या होता है कि उसी लाइन पर माल गाड़ी भी जाती है, उसी लाइन पर पैसेंजर गाड़ी भी जाती है, सुपर फास्ट भी जाती है, शताब्दी भी जाती है और इसका नतीजा यह होता है कि उससे ओवरलोडिंग होती है हमारे ट्रेक की ऐवरेज लाइफ हम 35 साल रखते हैं, तो जो ओवर लोडिंग होती है उसके कारण भी यह घटनाएं घटती है। इंस्पेक्शन के कारण भी कुछ यह होता है और इसमें हमें आदमियों की संख्या थोड़ी कम नज़र आई है। इंस्पेक्शन का काम जिनको दिया गया है—पी०डब्ल्यू०आई० है या डिवीजनल इंजीनियर से लेकर के जो और नीचे का स्टाफ है, की-मैन से लेकर इन सारे लोगों को जितना काम है और जितना उनका इंस्पेक्शन होना चाहिए, उसमें भी हमने कमी पाई है और इसका कारण यह है कि आदमियों की संख्या थोड़ी कम है और इस पर भी हम गंभीरतापूर्वक विचार करने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा, सभापति महोदय, जो चक्का होता है, तो उस व्हील की खराबी के कारण भी कभी-कभी घटनाएं हो जाती हैं और हम उनको रोकने के लिए प्रयत्नशील है। हमने प्रत्येक डिपार्टमेंट के ऊपर अलग-अलग रिस्पांसिब्लिटी फिक्स कर दी है और जो पहले लिखा जाता था "मिसलेनियस", जिसमें रिस्पांसिब्लिटी किसकी है, यह पता नहीं चलता था, हमने उसमें भी कहा है कि अब कोई मिसलेनियस नहीं रहेगा बल्कि एक-एक घटना की रिस्पांसिब्लिटी एक-एक डिपार्टमेंट को लेनी होगी और इसका हम कड़ाई से पालन भी कर रहे हैं।

श्री लक्खीराम अग्रवाल: सभापति महोदय, जहां तक रेलमाड़ियों के पटरी से उतरने का सवाल है, साउथ ईस्टर्न रेलवे में चक्रधरपुर से लेकर डोंगरगढ़ तक कोई महीना ऐसा नहीं जाता जब कि कोई न कोई माल गाड़ी पटरी से न उतरती हो। उस इलाके में आतंकवादी गतिविधियां या विध्वंस और तोड़फोड़ की घटनाएं कभी होती नहीं हैं। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदय ने कभी इस तरफ ध्यान दिया है या उनके पास कोई ऐसी रिपोर्ट है कि इन माल गाड़ियों के रोज-ब-रोज पटरी से उतरने के क्या कारण हैं? क्या इसके कोई टैक्निकल कारण हैं, कौन से कारण है? क्या रेलों का रख-रखाव या डिब्बों का रख-रखाव इसका कारण है? इन माल गाड़ियों के पटरी से उतरने के बाद सारी लाइन जाम हो जाती है और मुसाफिरों को कई घंटों तक, रेलें लेट होने होने के कारण, तकलीफ होती है और इससे रेल विभाग का नुकसान भी होता है। तो क्या रेल मंत्री महोदय का ध्यान इस तरफ आ गया है और उन्होंने इसकी कोई जांच कराई है कि उस इलाके में इतनी माल गाड़ियां पटरी से क्यों उतरती हैं?

श्री राम विलास पासवान: अध्यक्ष जी, जैसा मैंने कहा कि हमारे सामने समस्याएं हैं। समस्या है कि जितना ट्रैक हमारा रिन्यूअल होना चाहिए, वह हम नहीं कर पाते हैं रिसोर्सिज़ के अभाव में। इस साल हमने जो टारगेट रखा है। 1250 करोड़ रुपया रखा है और इसमें जो नवीनीकरण का टारगेट है वह 2800 किलोमीटर है। 1997-98 में, जबकि पिछली बार हमने 2564 किलोमीटर रखा था। तो एक तो ट्रैक का जितना रिन्यूअल होना चाहिए वह नहीं हो पाता और वह उसके अभाव में ओवर ऐज हो जाता है। दूसरा आपने जो मेंटेनेंस का सवाल उठाया, इसमें मेंटेनेंस तो नहीं लेकिन जो हमारी बोगी है या कोचिज़ हैं, उनका ओवर ऐज होता है और जितनी संख्या में ओवर ऐज होता है, उसके अनुपात में हम उन्हें नहीं बना पाए हैं। हम उसको भी ठीक करना चाहते हैं, जिस लाइन की आपने बात की है. इसमें काम चालू है और हमें लगता है कि 50 परसेंट काम पूरा हो गया है और 50 परसेंट काम हम जल्द से जल्द पूरा करने का काम करेंगे। दूसरी चीज़ यह है कि हमारे पास रेलवे का सैल एक ही है भिलाई का और हमें इस भिलाई सैल पर निर्भर करना पड़ता है। उसको भी हम आग्रह कर रहे हैं कि वे भी जरा दोनों चीजों में तत्परता दिलवाएं— क्वालिटी में भी और संख्या में भी, जिससे कि हम इस काम को पूरा कर सकें।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Satellite phone facility in trains

*281. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the trains where satellite phone facility are available and charges per call fixed;

(b) how much the Railways are to pay to VSNL for this purpose; and